राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु में 24 सितंबर, 2025 को “विकसित भारत @2047 में कृषि अनुसंधान की भूमिका” विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया

ब्यूरो में, 24 सितंबर, 2025 को “विकसित भारत @2047 में कृषि अनुसंधान की भूमिका” विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी का उदघाटन ब्यूरो के निदेशक महोदय, डॉ. एस. एन. सुशील ने दीप प्रज्जवलित करके किया। राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी में, बेंगलूरु स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के संस्थानों और संस्थानों के क्षेत्रीय केंद्रों जैसेकि- राष्ट्रीय पशु पोषण और शारीरिकी संस्थान (NIANP), भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान (IIHR), भारतीय पशु-चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (IVRI), राष्ट्रीय बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र (NISST), राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण और भूमि उपयोग योजना ब्यूरो (NBSS&LUP) और ब्यूरो के वैज्ञानिकों ने भाग लिया। इस संगोष्ठी में प्रवक्ताओं के रूप में ऑनलाइन माध्यम से डॉ. एस. के. सोम (पूर्व विभागाध्यक्ष आई.सी.एम. विभाग एवं प्रभारी संयुक्त निदेशक, नार्म, हैदराबाद; विषय:- “राष्ट्र विकास हेतु कृषि अनुसंधान एवं उद्यमिता का समायोजन”; डॉ. अरविन्द कुमार अहलावत, प्रमुख एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्र, फाजिल्का, पंजाब; विषय:- "स्वास्थ्य मृदा, स्वास्थ्य किसान : प्राकृतिक खेती एवं अनुसंधान का योगदान"; डॉ. फूल कुमारी, प्रमुख एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्र, दीमापुर आई सी ए आर रिसर्च कॉम्प्लेक्स फॉर एन ईएच रीजन, नागालैंड केंद्र मेडजीफेमा, नागालैंड; विषय:- टेक्नोलॉजी आधारित नवाचारों में कृषि विज्ञान केन्द्र की भूमिका तथा ऑफलाइन (सभागार में); डॉ. सुनील जोशी (विभागाध्यक्ष, जी.सी.सी.विभाग, एन.बी.ए.आई.आर., बेंगलूरु; विषय:-"कीटों की कहानी चित्रकारों की जुबानी"; डॉ. आर. बी. तिवारी , प्रधान वैज्ञानिक, आई.आई.एच.आर., बेंगलूरु, विषय:- देश में बढ़ती जनसंख्या हेतु खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी की भूमिका; डॉ. ए. के. नायर, प्रधान वैज्ञानिक, आई.आई.एच.आर., बेंगलूरु, विषय:-बागवानी फसलों में रिजनरेटिव फार्मिंग (नवजीवी खेती) की उपयोगिता एक परिचय और डॉ. बी. पी. श्रीनिवास, प्रधान वैज्ञानिक, आई.वी.आर.आई., बेंगलूरु, विषय:- पशुरोग नियंत्रण और उन्मूलन में आई.वी.आर.आई. का योगदान विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किये। इसके अतिरिक्त इस राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी में प्रोफेसर (डॉ.) शोराज सिंह, आर. एस. एम. कॉलेज, धामपुर, बिजनौर, उत्तर प्रदेश एवं डॉ नरेंद्र सिंह पंवार, वरिष्ठ वैज्ञानिक, एन.बी.पी.जी.आर. के क्षेत्रीय केंद्र, रांची, झारखंड भी ऑनलाइन शामिल हुए। सभी प्रतिभागियों को निदेशक महोदय द्वारा प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया।

Shoraj Singh
Dr. NS Panwar

कीटों की
के जुबानी

विकसित भारत @ 2047 में कृषि अनुसंधान की भूमिका -एक
द्विवीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में
भारत में बढ़ती जनसंख्या की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित
करने में खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी की भूमिका

राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी
ICAR
NBAIR
ICAR - NATIONAL
RESOURCES
Dr. T. Venkatesan
Dr. N. Sushil
Director, NBAIR, Bengaluru

राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी
ICAR
NBAIR

राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी
ICAR
NBAIR
Dr. T. Venkatesan

GUEST HOUSE
राजभाषा पखवाड़ा
14 से 29 सितंबर 2025